

Newsletter

Department of Civil Engineering

JANUARY-JUNE 2021

ISSUE No. 4

Departmental Activities

- 01.** National Conference on the 'Advances in Civil Engineering and Environment Sciences' (ACEES - 2021)
- 02.** MOU signed with MAB civil technologies and consultancy private limited.

NATIONAL CONFERENCE ON "ADVANCES IN CIVIL ENGINEERING AND ENVIRONMENT SCIENCES".



Department of Civil Engineering and Department of Environment Science of J.C Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad began on Thursday. About 150 members including researchers, faculty members, industry experts and students from different part of the country were participating in the conference. The Vice-Chancellor of Kurukshetra university, prof. Som Nath Sachdeva was the chief guest. The sessions were coordinated by the conference convener Dr.Sombir Bazar and Dr.Vishal Puri. Vice chancellor of the university inaugurated the 02 day national conference.

MOU signed with MAB civil technologies and consultancy private limited



इंजीनियरिंग परियोजनाओं के लिए समझौता

जेसी बोस विश्वविद्यालय देगा निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं

एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

जेसी बोस विश्वविद्यालय (JCBUSTYMCA) और एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (MAB) के बीच एक समझौता किया गया है। इस समझौते के तहत, जेसी बोस विश्वविद्यालय एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करेगा।

एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एक अग्रणी सिविल इंजीनियरिंग और कंसल्टेंसी फर्म है, जो भारत में कई बड़े निर्माण परियोजनाओं के लिए काम कर चुकी है। जेसी बोस विश्वविद्यालय एक प्रतिष्ठित शिक्षण और अनुसंधान संस्थान है, जो विभिन्न इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखता है।

इस समझौते के तहत, एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड जेसी बोस विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों को निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करेगा। ये सेवाएं विभिन्न प्रकार की निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करेगी, जैसे कि सड़क निर्माण, जल आपूर्ति प्रणाली, और वास्तुशिल्प।

जेसी बोस विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों ने इस समझौते की शुरुआत की। वे इस समझौते के तहत, एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान करेगा।

पहल

फरीदाबाद कार्यालय संवाददाता

सिविल इंजीनियरिंग की विभिन्न परियोजनाओं के लिए निर्माण जांच एवं प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाएं तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड सिविल इंजीनियरिंग के माध्यम से अपने संसाधन जुटाने के लिए ईको-सिस्टम विकसित करने में मदद करेगा। विश्वविद्यालय से कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग तथा एमएबी सिविल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एचपी गुप्ता ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल, इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मल्लिक और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय को निर्माण जांच एवं प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाएं तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए जरूरी कौशल और प्रशिक्षण में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को फरीदाबाद की

छात्रों को प्लेसमेंट में सहयोग देगी कंपनी

प्रो. एमएल अग्रवाल ने बताया कि समझौते के तहत कंपनी विश्वविद्यालय में निर्माण जांच और परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करेगा। साथ ही लाभ-साझेदारी में संयुक्त परामर्शी परियोजना पर काम करेगी। कंपनी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और प्लेसमेंट में सहयोग देगी तथा प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक सेमिनार आयोजित करेगी। इसके अलावा, सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को परियोजनाओं का दौरा, प्रशिक्षण तथा काम करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप के केंद्र में होने का रणनीतिक लाभ है, जिस कारण उद्योगों से कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट हासिल करने की बहुत संभावनाएं हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय इस दिशा में काम कर रहा है ताकि ऐसी औद्योगिक सहभागिता को बढ़ावा देकर इन अवसरों का लाभ उठाया जा सके।

कुलपति ने सिविल इंजीनियरिंग संकाय सदस्यों को फरीदाबाद-गुरुग्राम सड़क मार्ग पर ग्राम थांकरी में विकसित किये जाने वाले दूसरे परिसर के लिए डिजाइन तथा भौतिक संरचना योजना तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से नए कैंपस में सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे।

A dedicated block for civil engineering department has been inaugurated with a "satsang" on 550th birth anniversary of Guru Nanak Dev Ji.

